एसआरएम यूनिवर्सिटी में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। एसआरएम आईएसटी एनसीआर कैंपस में इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज एवं सी डी सी एंड प्लेस्मेंट विभाग द्वारा 16 से 21 मई 2022 तक कंटेम्पररी ट्रेंड्स एंड अप्रोचेस ऑफ इंग्लिश लैंग्वेजेज टीचिंग सॉफ्ट स्किल्स पर सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आज शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मिस कनिका दुआ मोटिवेशनल स्पीकर एंड डिप्टी कमिश्नर इंडियन रेवेन्ये सर्विसेज, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने आभासी माध्यम से सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यक्तित्व के विकास में अंग्रेजी भाषा के महत्त्व पर विचार रखकर किया। इस कार्यक्रम का स्वागत भाषण हेड ऑफ सी डी सी एंड प्लेस्मेंट विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ धौम्या भट्ट ने किया। एसआरएम आईएसटी एनसीआर कैंपस के डीन डॉ डी के शर्मा ने संस्थान द्वारा शिक्षकों और विद्यार्थियों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और सबका स्वागत किया।संस्थान के डायरेक्टर डॉ एस विश्वनाथन ने कार्यक्रम के सफलता पूर्ण आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी एवं डीन कैंपस लाइफ डॉ नवीन अहलावत ने सभी वक्ताओं का कार्यक्रम से जुड़ने के लिए धन्यवाद किया एवं कार्यक्रम के विषय में चर्चा की। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 200 शिक्षकों व शोधकर्ताओं ने आभासी माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रथम चरण में बी वि राजू इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी नरसापुर, हैदराबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ एम् सुरेश बाबू मोपार्थी ने इकीसवीं सदी में संचारी भाषा शिक्षण की सम्भावनाये, महत्तव एवं चुनौतियों पैर प्रकाश डाला। दूसरे सेशन में डॉ आर पी माहेश्वरी, सेवानिवृत प्रोफेसर आई आई टी रूड़की ने प्रेजेंटेशन स्किल्स अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान संयोजक डॉ नवीन अहलावत, डॉ धौम्या भट्ट सह-संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मधुरिमा श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अजय कुमार, कोऑडिनेटर डॉ भारती चन्द्रयायन, डॉ आवृति ठाकुर, अनुराग अग्रवाल एवं प्रीती शर्मा द्वारा सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किय। इस अवसर पर समस्त इएफएल एवं सीडी की एंड प्लेस्मेंट विभाग के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आत्मावलोकन करने की प्रेरणा भी प्रदान करती है।

यह पुस्तक हम सबसे दानवीर भामाशाह बनने का आह्वान करती है, कुलीचनाशाह नहीं, क्योंकि सुनियोजित कुलोचना से व्यक्ति विशेष का बिगड़ सकता है लेकिन समष्टि का कुछ बन नहीं सकता। यह पुस्तक संत, सत्ता और संधान के विषय में बताते हुए यह अनुभूति भी कराती है कि स्वतंत्र

मोहम्मद आरिफ खान के शब्दों में कहूँ तो प्रस्तुत पुस्तक को देखने-पढ़ने के बाद ऐसा लगा जैसे यह रचना किसी ऐसे विद्वान के कलम की उत्पत्ति है जिसने भारतीय सभ्यता व संस्कृति का गहन अध्ययन किया है और जो संभवतः किसी शिक्षण संस्थान में पठन पाठन का काम करता है। सरकारी जिम्मेदारियों में व्यस्त किसी प्रशासनिक अधिकारी की ऐसी रचना से यह स्पष्ट

अर्थात हे मनुष्य! तू स्वयं मानवीय गुणों का विकास कर जिससे तू दिव्यता पैदा कर सके। भारतीय पुनरुत्थान के प्रणेता स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि "मेरा आदर्श यह है कि मैं मानव जगत को यह बताना चाहता हूँ कि वह दिव्य हैं और उनकी दिव्यता का प्रकटीकरण जीवन के हर क्षेत्र में होना चाहिये। इस दिव्यता को प्रकट करने का सब से प्रभावी माध्यम भी उन्होंने यह बताया

बता दें कि डीएम, एसएसपी, सीडीओ, एडीएम के रूप में डॉ दिनेश चंद सिंह, आईएएस ने स्वच्छता और योग के प्रति जनमानस को जागरूक करने का सदैव प्रयास किया है, जो आज भी जारी है। अपनी पहली पदस्थापना हरिद्वार जनपद (तत्कालीन उत्तरप्रदेश, अब उत्तराखंड) में होने के चलते वो योग गुरु रामदेव के संपर्क में आए और शीर्षासन सहित विभिन्न योग

योगी शासन की योजनाओं को सिर्फ मनोहारी शब्दों के माध्यम से नहीं बल्कि तर्क सम्मत वैज्ञानिक बातों से भरे पौराणिक व ऐतिहासिक दृष्टांतों के हवाले से परिपुष्ट करने की एक नेक पहल की है, जो प्रशंसनीय है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पाठकों का प्यार लेखक की तीन अन्य पूर्व कृतियों की भांति इस चौथी कृति को भी मिलेगा।

...ता व कायरता का ...द: दिव्य अग्रवाल

हिन्दू धर्म को अपमानित करने हेतु चिन्हित करके हिन्दुओं के मुख्य तीर्थस्थलों को खंडित किया गया आज भी मुस्लिम समाज को उसकी कोई आत्मग्लानि नहीं है। अपितु सत्य को स्वीकारने के स्थान पर अक्रान्ताओं द्वारा किए गए कुकृत्य के समर्थन में मुस्लिम समाज संगठित होकर खड़ा है। वीडियोग्राफी का विरोध क्यों हो रहा था अब यह सर्वविदित हो चुका है। जिस तरह ओवैसी मुस्लिम समाज की संख्या के दम पर पूरे हिन्दू समाज को धमकी भरा सन्देश दे रहे हैं। तो क्या यह न्यायालय के आदेश की अवमानना नहीं है, वास्तविकता है गांधी जी के तीन बंदरों वाली व तथाकथित अहिंसा वाली पटकथा ने हिन्दू समाज की

रक्तवाहिनियों में गोध्यापन को समाप्त कर दिया था। अन्यथा निश्चित ही हिन्दू समाज को अपने देवताओं का स्मरण होता की किसी भी परिस्थिति में शस्त्र व शास्त्र त्यागा नहीं जा सकता।

आज भी हिन्दू समाज मुस्लिम आक्रांताओं के कुकृत्य व अपने स्वर्णिम इतिहास को नहीं समझ पाया इसका मुख्य कारण लोभी धर्मगुरु एवं कायरता व सत्ता के लालच से भरे हुए राजनेताओं का नेतृत्व है। सत्य जानने के पश्चात भी तर्क वितर्क करना, भययुक्त होकर सेक्युलर बनने का नाटक करना व अपने धर्म व संस्कृति के स्वाभिमान की सुरक्षा हेतु सजग न होना एवं विमुख होकर कट्टरवादियों के कुकृत्यों का विरोध न करना मजहबी लोगों के मनसूबों को निश्चित ही बल देता है।

80 कर्मचारियों ने रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की सदस्यता ग्रहण की

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद क्षेत्र के कौशांबी डिपो में लगभग 80 कर्मचारियों द्वारा एंप्लाइज यूनियन से त्यागपत्र देकर सोमवार को रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर कौशांबी डिपो में कौशांबी शाखा द्वारा एंप्लाइज यूनियन से आए हुए साथियों का जोरदार स्वागत किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता

क्षेत्रीय अध्यक्ष गुलजार अहमद द्वारा की गई तथा सभा का संचालन क्षेत्रीय लेखा परीक्षक देवेंद्र कुमार द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा, क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमपाल सिंह, क्षेत्रीय मंत्री रमेंद्र कुमार शर्मा, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष पवन कुमार, प्रांतीय प्रतिनिधि रविकांत, क्षेत्रीय उप मंत्री सुधीर कुमार, क्षेत्रीय प्रचार मंत्री सौरभ सिंह आदि पदाधिकारियों ने भाग लिया।

एसआरएम इंस्टिट्यूट के एनसीआर कैंपस में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। एसआरएम आईएसटी एनसीआर कैंपस में इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज एवं सीडीसी एंड प्लेसमेंट विभाग द्वारा कंटेम्परी ट्रेंड्स एंड अप्रोचेस ऑफ इंग्लिश लैंग्वेजेज टीचिंग सॉफ्ट स्किल्स (ऑनलाइन) पर सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू किया गया।

सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मिस कनिका दुआ मोटिवेशनल स्पीकर एंड डिप्टी कमिश्नर इंडियन रेवेन्यू सर्विसेज जी एस टी एंड कस्टम मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा आभासी माध्यम से सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यक्तित्व के विकास में अंग्रेजी भाषा के महत्त्व पर विचार रखकर किया। कार्यक्रम में सम्मानों का स्वागत हेड ऑफ सीडीसी एंड प्लेसमेंट विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौम्या भट्ट ने किया। एसआरएम आईएसटी एनसीआर कैंपस के डीन डॉ. डीके शर्मा ने संस्थान द्वारा शिक्षकों और विद्यार्थियों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए सबका धन्यवाद किया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. एस विश्वनाथन ने कार्यक्रम के सफलता पूर्ण आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी इसके साथ ही डीन कैंपस लाइफ डॉ. नवीन अहलावत ने सभी वक्ताओं का कार्यक्रम से जुड़ने के लिए धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के विषय में चर्चा की। इस मौके पर भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 200 शिक्षकों व शोधकर्ताओं ने आभासी माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन बीवि राजू इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी नरसापुर, हैदराबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एम सुरेश बाबू मोपर्थी ने इक्कीसवीं सदी में संचारी भाषा शिक्षण की सम्भावनायें, महत्व एवं चुनौतियों पर प्रकाश डाला। दूसरे सेशन में डॉ. आरपी माहेश्वरी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर आई आईटी रुड़की ने प्रेजेंटेशन स्किल्स पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान संयोजक डॉ. नवीन अहलावत, डॉ. सौम्या भट्ट सह-संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मधुरिमा श्रीवास्तव (हेड इन चार्ज डिपार्टमेंट ऑफ इफ एल), असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार (डिपार्टमेंट ऑफ सीडी सी एंड प्लेसमेंट विभाग, कोऑर्डिनेटर डॉ. भारती चन्द्रशमन, डॉ. आकृति ठाकुर, अनुराग अग्रवाल एवं प्रीती शर्मा द्वारा बारी बारी से सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर समस्त इफएल एवं सी डी सी एंड प्लेसमेंट विभाग के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

...ा, पूरी रात चला गजल कुम्भ

...कर एक अशआर पढ़े

...ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और उपस्थित श्रोताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बुजुर्ग शायर डॉ. इरशाद अहमद 'शरर' (बुलंदशहर) एवं वरिष्ठ शायर गोविन्द गुलशन गाजियाबाद को 'गजल कुंभ सम्मान 2022' एवार्ड से नवाजा गया। गजल संकलन 'गजल कुंभ 2020' का लोकार्पण शैलेन्द्र जैन अप्रिय एवं आलोक कुमार द्वारा किया गया। संकलन में शामिल शायरों को पुस्तक की प्रति भेंट की गयी। भव्य कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रोता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों, श्रोताओं एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों का दीक्षित दनकौरी ने आभार व्यक्त किया।

ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने पर हिंदू युवा वाहिनी ने मिठाई बांटकर खुशी जताई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। हिन्दू युवा वाहिनी ने मुरादनगर छोटे हरिद्वार गंगा घाट पर ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने के उत्साह में हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने शंखनाद के साथ शिवलिंग पर जलाभिषेक कर मिठाई बांटकर खुशी प्रकट की।

जिलाध्यक्ष आयुष त्यागी काकड़ा ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर के बाद आज ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे में शिवलिंग मिलने पर हिन्दू समाज में उत्साह है। यह ज्ञानवापी मस्जिद नहीं यह हिन्दुओं का धार्मिक स्थल था और उनकी आस्था का प्रतीक था जिसको हिंदू संस्कृति में ज्ञानवापी को ज्ञान का कुआं कहा जाता है और यह मान्यता है कि यहां आराध्य महादेव ने मां पार्वती को ज्ञान दिया था जिसके कारण इसका नाम ज्ञान व्यापी पड़ा। जिसको मुगलों के शासन काल में औरंगजेब ने हिंदुओं के प्राचीन मंदिर तुड़वा कर मस्जिद बना ली गई थी। आज ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने से यह साबित हुआ है की ऐसे हमारे देश में सैकड़ों मंदिर तोड़कर मस्जिदें बनाई हुई हैं। केंद्र सरकार से से अनुरोध है कि दिल्ली में जामा मस्जिद की भी जांच कराई जाए जिसमें मंदिर मिलना ही तय है इतिहास कालखंड में जो भी लिखा था वह मिल गया। इस अवसर पर महंत मुकेश गिरी, नगर प्रभारी प्रशांत गुप्ता, नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति, ब्लॉक अध्यक्ष निशांत त्यागी, सोनू काकड़ा, अखिल शर्मा, शिवम आभास, अरुण राजपूत, केशव गौड़ आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सात दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम शुरू

जासं, मोदीनगर : एसआरएम आईएसटी एनसीआर कैंपस में कंटेंपररी ट्रेंड्स एंड अप्रोचेस आफ इंग्लिश लैंग्वेजेज टीचिंग साफ्ट स्किल्स विषय पर सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम सोमवार को शुरू हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोटिवेशनल स्पीकर व डिप्टी कमिश्नर इंडियन रेवेन्यू सर्विसेज-(जीएसटी एंड कस्टम मिनिस्ट्री आफ फाइनेंस) कनिका दुआ ने कराया। उन्होंने आभासी माध्यम से साफ्ट स्किल्स एवं व्यक्तित्व के विकास में अंग्रेजी भाषा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। संस्थान के निदेशक डा. एस. विश्वनाथन, डीन डीके शर्मा, डीन कैंपस लाइफ डा. नवीन अहलावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान के मीडिया प्रभारी नितिन धामा ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों के 200 से ज्यादा शिक्षकों, शोधकर्ताओं ने इसमें प्रतिभाग किया। पहले दिन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी नरसापुर के बीवी राजू, हैदराबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. एम. सुरेश बाबू मोपार्थी, आइआइटी रूडकी के प्रोफेसर डा. आरपी माहेश्वरी आदि अनेक लोगों ने अलग अलग विषयों पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर डा. धौम्या भट्ट, डा. मधुरिमा श्रीवास्तव, डा. अजय कुमार, डा. भारती चन्द्रयायन, डा. आवृति ठाकुर, अनुराग अग्रवाल एवं प्रीती शर्मा आदि अनेक मौजूद रहे।

एसआरएम आई एस टी एनसीआर कैंपस में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की हुई शुरुआत

- सर्च आउट न्यूज -

मोदीनगर। एस आर एम आईएसटी एनसीआर कैंपस में कंटेम्परारी ट्रेंड्स एंड अप्रोचेस ऑफ़ इंग्लिश लैंग्वेजेज टीचिंग सॉफ्ट स्किल्स पर सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया। एस आर एम आईएसटी एनसीआर कैंपस में इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज एवं सी डी सी एंड प्लेस्मेंट विभाग द्वारा 16 से 21 मई 2022 तक कंटेम्परारी ट्रेंड्स एंड अप्रोचेस ऑफ़ इंग्लिश लैंग्वेजेज टीचिंग सॉफ्ट स्किल्स (ऑनलाइन) पर सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मिस कनिका दुआ मोटिवेशनल स्पीकर एंड डिप्टी कमिश्नर इंडियन रेवेन्ये सर्विसेज(जी एस टी एंड कस्टम मिनिस्ट्री ऑफ़ फाइनेंस, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया ने आभासी माध्यम से सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यक्तित्व के विकास में अंग्रेजी भाषा के महत्त्व पर विचार रखकर किया। इस कार्यक्रम का स्वागत भाषण हेड ऑफ़ सी डी सी एंड प्लेस्मेंट विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ धौम्या भट्ट ने किया। एस आर एम आईएसटी एनसीआर कैंपस के डीन डॉ डी के शर्मा ने संस्थान द्वारा शिक्षकों और विद्यार्थियों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और सबका स्वागत किया।संस्थान के डायरेक्टर डॉ एस विश्वनाथन ने कार्यक्रम के सफलता पूर्ण आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी एवं डीन कैंपस लाइफ डॉ नवीन अहलावत ने सभी वक्ताओं का कार्यक्रम से जुड़ने के लिए धन्यवाद किया एवं कार्यक्रम के विषय में चर्चा की।

इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 200 शिक्षकों व शोधकर्ताओं ने आभासी माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रथम चरण में बी वि राजू इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी नरसापुर, हैदराबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ एम् सुरेश बाबू मोपार्थी ने इकीसवीं सदी में संचारी भाषा शिक्षण की सम्भावनाये , महत्तव एवं चुनौतियों पैर प्रकाश डाला। दूसरे सेशन में डॉ आर पी माहेश्वरी , सेवानिवृत प्रोफेसर आई आई टी रूड़की ने प्रेजेंटेशन स्किल्स अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान संयोजक डॉ नवीन अहलावत, डॉ धौम्या भट्ट सह-संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मधुरिमा श्रीवास्तव(हेड इन चार्ज डिपार्टमेंट ऑफ़ इ ज़फ़ एल), असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अजय कुमार (डिपार्टमेंट ऑफ़ सी डी की एंड प्लेस्मेंट विभाग), कोऑडिनेटर डॉ भारती चन्द्रयायन , डॉ आवृति ठाकुर, अनुराग अग्रवाल एवं प्रीती शर्मा द्वारा सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किय। इस अवसर पर समस्त इ ज़फ़ एल एवं सी डी की एंड प्लेस्मेंट विभाग के शिक्षकगण उपस्थित रहे ।